

# डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, रहस्योद्घाटन और शास्त्र, सत्र 10, पुराने नियम का विशेष रहस्योद्घाटन, नए नियम के विशेष रहस्योद्घाटन की किस्में

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा प्रकाशितवाक्य और पवित्र शास्त्र पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 10 है, पुराने नियम का विशेष प्रकाशितवाक्य, नए नियम के विशेष प्रकाशितवाक्य की किस्में।

हम पुराने नियम में विशेष प्रकाशितवाक्य के अपने अध्ययन को जारी रखते हुए, विभिन्न प्रकारों पर विचार करते हैं।

हमने ईश्वरीय दर्शन, दर्शन और स्वप्नों पर विचार किया है, और अब हम उरीम और थुम्मिम के साथ काम कर रहे हैं, जिसके बारे में स्पष्ट रूप से कोई नहीं जानता कि यह क्या है। वे एक ऐसा साधन थे जिसके द्वारा महायाजक, जब एपोद, एक प्रकार का लिनन वास्कट या जैकेट, और न्याय की छाती की पट्टी पहनते थे, तो वे इस्राएल राष्ट्र के बारे में परमेश्वर की इच्छा को उन मामलों में जान लेते थे जिनमें परमेश्वर की इच्छा स्पष्ट नहीं थी। फिर से, यह मेरे गुरु, रॉबर्ट जे. डन्सवीलर से है।

निर्गमन 28, 30, और न्याय के कवच में, जहाँ तक महायाजक के वस्त्र का संबंध है, यह निर्देश है, और न्याय के कवच में, तुम ऊरीम और तुम्मीम को रखना, और जब हारून यहोवा के सामने जाएगा, तब वे उसके हृदय पर होंगे। इस प्रकार, हारून नियमित रूप से यहोवा के सामने इस्राएल के लोगों के न्याय को अपने हृदय पर धारण करेगा। गिनती 27, 21, नून का पुत्र यहोशू, एलीआजर याजक के सामने खड़ा है, जो यहोवा के सामने ऊरीम के न्याय के द्वारा उसके लिए पूछताछ करेगा।

उसके कहने पर वे बाहर जाएंगे और उसके कहने पर वे भीतर आएंगे, वह और इस्राएल के सभी लोग, उसके साथ पूरी मण्डली। फिर से, यह उन मामलों में प्रभु से पूछताछ है जहां शुरू में कुछ अनिश्चितता है। पहला शमूएल 28 6, शाऊल भगवान से जानकारी चाहता है और दुर्भाग्य से एंडोर की चुड़ैल से सलाह लेता है, लेकिन उस संदर्भ में, हम पढ़ते हैं कि जब शाऊल ने प्रभु से पूछताछ की, तो प्रभु ने उसे उत्तर नहीं दिया, न तो सपनों के द्वारा, न ही उरीम के द्वारा और न ही भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा।

तब शाऊल ने अपने सेवकों से कहा, मेरे लिए एक स्त्री ढूँढो जो माध्यम बन सके, इत्यादि। बहुत दुखद मामला। एज्रा 2:63, राज्यपाल ने उनसे कहा कि जब तक ऊरीम और तुम्मीम से परामर्श करने के लिए कोई पुजारी न हो, तब तक उन्हें सबसे पवित्र भोजन में हिस्सा नहीं लेना चाहिए।

मैं मुश्किल से इसे कह सकता हूँ। नहेमायाह 7:65, ओह। राज्यपाल वही है; यह वही बात है जो हमने अभी एज्रा में पढ़ी है।

चिट्ठियाँ डालना परमेश्वर के लिए दो विकल्पों के बीच अपना निर्णय घोषित करने या कार्य सौंपने का एक साधन है। इसलिए, लैव्यव्यवस्था 16 में, प्रायश्चित के दिन, हम 8 से 10 पढ़ते हैं, और हारून दो बकरियों पर चिट्ठियाँ डालेगा। एक चिट्ठी यहोवा के लिए, दूसरी अज़ाजेल के लिए।

और आदम उस बकरे को पेश करेगा जिस पर यहोवा के लिए चिट्ठी निकली थी और उसे पापबलि के रूप में इस्तेमाल करेगा। लेकिन जिस बकरे पर अज़ाजेल के लिए चिट्ठी निकली थी उसे यहोवा के सामने जीवित पेश किया जाएगा ताकि उस पर प्रायश्चित किया जा सके, ताकि उसे अज़ाजेल के लिए जंगल में भेजा जा सके। हम पहले इतिहास में भी चिट्ठी देखते हैं, मुझे कहना चाहिए, 24।

हारून के पुत्रों के दल ये थे। हारून के पुत्र, नादाब, अबीहू, एलीआजर और ईतामार। और आगे चलकर उन्होंने उन्हें चिट्ठी डालकर बाँटा, पद 6, पद 5, सब एक समान, क्योंकि एलीआजर के पुत्रों और ईतामार के पुत्रों में पवित्र अधिकारी और परमेश्वर के अधिकारी थे।

और यह चलता रहा, काम बाँटने के लिए चिट्ठी का इस्तेमाल किया गया। एस्तेर, अध्याय 3 की आयत 7, पहले महीने में, जो निसान का महीना है, राजा अहासवेरस के बारहवें वर्ष में, उन्होंने गरीबों को डाला। यानी, उन्होंने दिन-ब-दिन हामान के सामने चिट्ठी डाली।

और वे इसे हर महीने डालते रहे, बारहवें महीने तक, जो अदार का महीना है। एक और, नीतिवचन 16, 33, इस क्षेत्र में भी परमेश्वर की संप्रभुता की बात करता है। चिट्ठी गोद में डाली जाती है, लेकिन हर निर्णय प्रभु द्वारा किया जाता है।

जब हम नए नियम के विशेष प्रकाशन की ओर बढ़ेंगे तो हम देखेंगे कि यीशु के विश्वासघाती यहूदा के उत्तराधिकारी को लॉटरी द्वारा चुना गया था। चमत्कार परमेश्वर के अलौकिक कार्य हैं जो उसके चरित्र और इच्छा को प्रकट करते हैं। व्यवस्थाविवरण 4:32 और निम्नलिखित पर विचार करें।

मूसा कहता है, अब पूछो उन दिनों के बारे में जो तुम्हारे सामने थे, जब से परमेश्वर ने मनुष्य को पृथ्वी पर बनाया, और स्वर्ग के एक छोर से दूसरे छोर तक पूछो, क्या ऐसा महान कार्य कभी हुआ था या कभी सुना गया था? क्या किसी भी लोगों ने कभी आग के बीच से बोलते हुए परमेश्वर की आवाज़ सुनी है, जैसा कि तुमने सुना है और फिर भी जीवित हो? या क्या किसी परमेश्वर ने कभी किसी राष्ट्र को दूसरे राष्ट्र के बीच से अपने लिए लेने की कोशिश की है, परीक्षणों के द्वारा, चिह्नों के द्वारा, चमत्कारों के द्वारा, और युद्ध के द्वारा, एक बलवन्त हाथ और बढ़ाई हुई भुजा के द्वारा, और भयानक महान कामों के द्वारा, जो तुम्हारे परमेश्वर यहोवा ने मिस्र में तुम्हारी आँखों के सामने तुम्हारे लिए किए थे? तुम्हें यह दिखाया गया था कि तुम जान सको कि यहोवा ही परमेश्वर है। उसके अलावा कोई और नहीं है। बाइबिल के इतिहास में चमत्कार पाँच महत्वपूर्ण अवधियों में एकत्रित होते हैं।

वादा किए गए देश का पलायन और विजय, एलिय्याह और एलीशा की सेवकाई, निर्वासन, विशेष रूप से दानियेल, मसीह और भविष्यद्वक्ताओं की सेवकाई, क्षमा करें, मसीह और उसके प्रेरितों

की सेवकाई, और पाँचवाँ दूसरा आगमन है। तो, पलायन और विजय, एलिय्याह और एलीशा का समय, दानिय्येल के साथ निर्वासन, मसीह और उसके प्रेरितों के प्रकरण, और दूसरा आगमन। श्रव्य भाषण परमेश्वर को उसके लोगों, दोनों इस्राएल राष्ट्रों को ज्ञात कराता है। निर्गमन 19 में प्रसिद्ध है, जब मूसा परमेश्वर के पास गया, तो प्रभु ने पहाड़ों से उसे पुकारा, और कहा, तू याकूब के घराने से ऐसा कहना और इस्राएल के लोगों से कहना, कि तुम ने स्वयं देखा है कि मैंने मिश्रियों से क्या किया और कैसे मैं तुम्हें उकाब के पंखों पर उठाकर अपने पास ले आया।

इसलिए अब, यदि तुम सचमुच मेरी बात मानोगे और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो तुम सब लोगों के बीच मेरी निज सम्पत्ति ठहरोगे। क्योंकि सारी पृथ्वी मेरी है और तुम मेरे लिए याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे। ये वे शब्द हैं जो तुम्हें इस्राएल के लोगों से कहने होंगे।

इसलिए मूसा आया और लोगों के बुजुर्गों को बुलाया और उनके सामने वे सभी बातें रखीं जो प्रभु ने उसे आज्ञा दी थीं। परमेश्वर की श्रव्य वाणी इस्राएल के राष्ट्र को सुनाई देती है, जैसा कि उस मामले में था, और व्यक्तियों को। यहाँ एक आकर्षक उदाहरण है, और वह बालक शमूएल का है।

शमूएल। अब, बालक शमूएल एली की उपस्थिति में यहोवा की सेवा कर रहा था, और उन दिनों यहोवा का वचन दुर्लभ था। बार-बार दर्शन नहीं होते थे।

एली के समय, जिसकी दृष्टि इतनी मंद हो गई थी कि वह देख नहीं सकता था, एली अपने स्थान पर लेटा हुआ था। परमेश्वर का दीपक अभी तक बुझा नहीं था, और शमूएल यहोवा के मन्दिर में लेटा हुआ था जहाँ परमेश्वर का सन्दूक था। तब यहोवा ने शमूएल को पुकारा और कहा, मैं यहाँ हूँ।

तब वह दौड़कर एली के पास गया, और कहा, मैं यहाँ हूँ। तू ने मुझे बुलाया है। परन्तु एली ने कहा, मैं ने तुझे नहीं बुलाया।

फिर से लेट जाओ। इसलिए वह जाकर लेट गया। यहोवा ने शमूएल को फिर से बुलाया।

तब शमूएल उठकर एली के पास गया, और कहा, तू ने मुझे बुलाया है, इसलिये मैं यहाँ हूँ। पर उसने कहा, मैं ने अपने बेटे को नहीं बुलाया। सो जा।

शमूएल अभी तक यहोवा को नहीं जानता था और यहोवा का वचन अभी तक उस पर प्रकट नहीं हुआ था। और यहोवा ने शमूएल को तीसरी बार फिर बुलाया। और वह उठकर एली के पास गया, और कहा, मैं यहाँ हूँ, क्योंकि तूने मुझे बुलाया है।

तब एली ने जान लिया कि यहोवा लड़के को बुला रहा है। तब एली ने शमूएल से कहा, जा लेट जा। यदि वह तुझे बुलाए, तो कहना, हे यहोवा बोल, क्योंकि तेरा दास सुन रहा है।

तब शमूएल जाकर अपने स्थान पर लेट गया। और यहोवा आकर खड़ा हो गया, और उसी समय पुकारने लगा, हे शमूएल, हे शमूएल। तब शमूएल ने कहा, कह, क्योंकि तेरा दास सुन रहा है।

तब यहोवा ने शमूएल से कहा, देख, मैं इस्राएल में एक ऐसा काम करने जा रहा हूँ, जिसे सुननेवाले हर एक के दोनों कान सनसना उठेंगे। उस दिन मैं एली के विरुद्ध वह सब कुछ पूरा करूँगा जो मैंने उसके घराने के विषय में शुरू से लेकर अंत तक कहा है। और मैं उसे बताता हूँ कि मैं उसके घराने को हमेशा के लिए उस अधर्म के लिए दण्डित करने जा रहा हूँ, जिसे वह जानता है, क्योंकि उसके बेटे परमेश्वर की निन्दा करते थे।

और वह उन तक नहीं पहुंचा, नहीं पहुंचा, नहीं रोका। इसलिए, मैं एली के घराने से यह शपथ लेता हूँ कि एली के घराने के अधर्म का प्रायश्चित्त बलि या भेंट के साथ नहीं किया जाएगा। शमूएल शोक में पड़ा रहा।

तब उसने यहोवा के भवन के द्वार खोले। शमूएल एली को दर्शन के बारे में बताने से डर रहा था। लेकिन एली ने शमूएल को बुलाया और कहा, शमूएल, मेरे बेटे, उसने कहा, मैं यहाँ हूँ।

एली ने कहा, "प्रभु ने तुमसे क्या कहा? मुझसे मत छिपाओ। परमेश्वर तुम्हारे साथ वैसा ही करे, और उससे भी अधिक करे। और यदि तुम उसे मानते हो, तो जो कुछ उसने तुमसे कहा है, उसमें से कुछ भी मुझसे मत छिपाओ।"

तब शमूएल ने उसको सब बातें बता दीं, और कुछ भी न छिपाया। और कहा, यह यहोवा है। जो उसे अच्छा लगे वही करे।

शमूएल बड़ा हुआ, और प्रभु उसके साथ था, और उसने अपने किसी भी वचन को व्यर्थ नहीं जाने दिया। इसलिए परमेश्वर का श्रव्य भाषण कभी-कभी पूरे राष्ट्र को और कभी-कभी एक व्यक्तिगत इस्राएली को सुनाई देता है, इस मामले में, उस उल्लेखनीय प्रकरण में बालक शमूएल को। भविष्यवाणी की घोषणा परमेश्वर द्वारा अपने लोगों से बात करने का एक सामान्य माध्यम है।

यशायाह के पहले अध्याय पर विचार करें, जब प्रभु का वचन यशायाह के पास आता है और साथ ही भविष्य की भविष्यवाणी भी करता है। भविष्यवक्ता की मुख्य भूमिका परमेश्वर के लोगों को वचन बताना था। लेकिन कभी-कभी, भविष्यवक्ताओं ने भविष्य की फिर से भविष्यवाणी की, हमेशा वही कहा जो परमेश्वर ने उन्हें कहने के लिए दिया था।

हम इसे यशायाह 9, छंद छह और सात में खूबसूरती से देखते हैं। हमारे लिए, एक बच्चा पैदा हुआ है, एक बेटा दिया गया है, और सरकार उसके कंधों पर होगी। उसे अद्भुत परामर्शदाता, शक्तिशाली ईश्वर, शाश्वत पिता, शांति का राजकुमार कहा जाएगा, जो अपनी सरकार और शांति को बढ़ाएगा।

दाऊद के सिंहासन पर और उसके राज्य पर उसे स्थापित करने और न्याय और धार्मिकता के साथ उसे बनाए रखने के लिए अब से लेकर हमेशा तक कोई अंत नहीं होगा। सेनाओं के यहोवा का जोश ऐसा करेगा। अब, भविष्यवाणी की घोषणा काफी हद तक मौखिक है।

कभी-कभी इसमें लिखना भी शामिल होता है। हम इसे भजन 19, आयत सात से 14 में देखते हैं, जो अच्छा है क्योंकि हम भजन 19, एक से छह पढ़ते हैं। अब, हम उस भाग को पढ़ते हैं जो प्रभु के वचन के बारे में बोलता है।

हमने सृष्टि में परमेश्वर के रहस्योद्घाटन को देखा; स्वर्ग ने परमेश्वर की महिमा की घोषणा की, इत्यादि। और अब हम देखते हैं कि प्रभु के कानून का वचन परिपूर्ण है, आत्मा को पुनर्जीवित करता है। प्रभु की गवाही पक्की है, जो सरल लोगों को बुद्धिमान बनाती है।

यहोवा के उपदेश सत्य हैं, हृदय को आनन्दित करते हैं। यहोवा की आज्ञा पवित्र है, आँखों को ज्योति प्रदान करती है। यहोवा का भय पवित्र है, सदा तक बना रहता है।

से भी अधिक मनभावन हैं, बल्कि बहुत अधिक उत्तम सोने से भी अधिक, शहद और मधु के छत्ते से भी अधिक मीठे हैं। इसके अलावा, जैसा कि आपके सेवक ने उन्हें पालन करने की चेतावनी दी है, उनके द्वारा बहुत बड़ा प्रतिफल मिलता है।

हम यिर्मयाह के मामले में बहुत विरोध के बीच लेखन देखते हैं, यिर्मयाह 36. यहूदा के राजा योशियाह के पुत्र यहोयाकीम के चौथे वर्ष में, यहोवा की ओर से यह वचन यिर्मयाह के पास आया। एक पुस्तक लें और उसमें वे सभी वचन लिखें जो मैंने तुझसे इस्राएल और यहूदा और सभी राष्ट्रों के विरुद्ध योशियाह के दिनों से लेकर आज तक कहे हैं।

हो सकता है कि यहूदा के घराने को वह सारी विपत्ति सुनाई दे जो मैं उन पर डालने की योजना बना रहा हूँ ताकि हर कोई अपने बुरे मार्ग से फिर जाए और मैं उनके अधर्म और पाप को क्षमा कर दूँ। और यिर्मयाह ने बारूक नामक एक सचिव को नियुक्त किया। और राजा क्रोधित हो गया और उसने उन पुस्तकों को जला दिया।

यिर्मयाह के उसी अध्याय 36:27 से 30 में हम पढ़ते हैं, अब, जब राजा ने उन शब्दों के साथ पुस्तक को जला दिया था जो बारूक ने यिर्मयाह के कहने पर लिखे थे, तब यहोवा का वचन यिर्मयाह के पास आया। दूसरा पुस्तक लेकर उस पर वे सब वचन लिख दे जो पहली पुस्तक में थे, जिसे यहूदा के राजा यहोयाकीम ने जला दिया है। और यहूदा के राजा यहोयाकीम के विषय में तू कहना, यहोवा यों कहता है, कि तू ने यह पुस्तक जला दी है, और यह कहकर कि तू ने इसमें क्यों लिखा है कि बाबुल का राजा आकर इस देश को नाश करेगा, और इस में से मनुष्य और पशु दोनों को नाश करेगा? इस कारण यहोवा कहता है कि यहूदा के राजा यहोयाकीम के वंश में दाऊद की गद्दी पर बैठनेवाला कोई न रहेगा, और उसकी लोथ दिन की तपन और रात के पाले में फेंक दी जाएगी।

वाह ! इस प्रकार, हम पुराने नियम में परमेश्वर के विशेष प्रकाशन की विभिन्न किस्मों के कुछ विवरण के साथ अपना सारांश समाप्त करते हैं। ईश्वरीय दर्शन, दर्शन और स्वप्न, ऊरीम और तुम्मीम, चिट्ठियाँ डालना, चमत्कार, श्रव्य भाषण और भविष्यवाणी की घोषणाएँ, जिनमें से अधिकांश श्रव्य हैं। मौखिक, कुछ लिखित।

पुराने नियम के विशेष प्रकाशन की विशेषताएँ। उस प्रकाशन की पहली विशेषता इसकी विविधता है। उद्धरण: पुराने नियम के प्रकाशन के परिसर में व्यक्तिगत मुलाकातें, जानकारी देना, घटनाओं की व्याख्या और परमेश्वर के शक्तिशाली कार्य शामिल हैं।

नज़दीकी उद्धरण। विलियम ए. ड्राइनेस, *थीम्स इन ओल्ड टेस्टामेंट थियोलॉजी*, आईवीपी, 1980, पृष्ठ 37। रहस्योद्घाटन व्यक्तिगत है।

हमने अपने परिचय में भी देखा कि यह आलोचनात्मक दावा है कि रहस्योद्घाटन व्यक्तिगत है न कि मौखिक। और यह केवल एक भ्रांति है। रहस्योद्घाटन मौखिक और व्यक्तिगत दोनों है।

अगर परमेश्वर चाहे तो वह खुद को शब्दों में प्रकट कर सकता है, और यही उसने करना चुना है। रहस्योद्घाटन व्यक्तिगत है। परमेश्वर खुद को प्रकट करता है ताकि लोगों को उसके साथ एक उद्धारक संबंध में ले जाए।

अर्थात्, प्रकाशन मुख्य रूप से उद्धारक और वाचा-संबंधी उद्देश्य से है। उत्पत्ति 17:7, निर्गमन 20, श्लोक 2 और 6। प्रकाशन अनुग्रहपूर्ण है। परमेश्वर स्वयं को ज्ञात करने के लिए पहल करता है।

उत्पत्ति 12:1 से 3 में, परमेश्वर अब्राहम के सामने प्रकट होता है और उसे वाचा की शर्तें बताता है। उत्पत्ति 15:1 और निर्गमन 3:1 से 6 में भी ऐसा ही है, जैसा कि हमने देखा है। बाइबल का रहस्योद्घाटन ऐतिहासिक है, क्योंकि परमेश्वर ऐतिहासिक घटनाओं में खुद को प्रकट करता है।

यह रैखिक है, क्योंकि ये घटनाएँ सृष्टि से शुरू होती हैं और नए स्वर्ग और नई पृथ्वी की ओर बढ़ती हैं। यह प्रगतिशील है, क्योंकि परमेश्वर खुद को एक बार में नहीं बल्कि समय के साथ धीरे-धीरे प्रकट करता है। इस प्रकार रहस्योद्घाटन अपने आप पर आधारित होता है।

प्रत्येक अनुवर्ती रहस्योद्घाटन पूर्ववर्ती रहस्योद्घाटन का पूरक और पूरक होता है। इसमें कोई विरोधाभास नहीं होता, बल्कि केवल स्पष्टीकरण और पूर्णता होती है। रहस्योद्घाटन प्रस्तावात्मक होता है।

इसमें ईश्वर के कार्यों की प्रेरित व्याख्या शामिल है। यह व्याख्या सत्य और शास्त्र के कथनों के माध्यम से आती है। रहस्योद्घाटन प्रतिक्रिया की मांग करता है। विश्वास, पश्चाताप, स्वीकारोक्ति, आज्ञाकारिता, मिशनरी प्रयास, प्रार्थना और आराधना इसके कुछ उदाहरण हैं।

यह संक्षेप में पुराने नियम का रहस्योद्घाटन है। नए नियम के रहस्योद्घाटन में भी विभिन्न प्रकार हैं, जिनमें से मुख्य हमारे प्रभु का अवतार और पवित्र शास्त्र है। नए नियम के रहस्योद्घाटन में पुराने नियम से उल्लेखित सभी प्रकार शामिल हैं, सिवाय उरीम और तुम्मीम के, जैसा कि हम उम्मीद कर सकते हैं क्योंकि यीशु ने महायाजक की भूमिका पूरी की है, इब्रानियों 4:14 से 5:10 तक। इनमें ईश्वरीय दर्शन, दर्शन, स्वप्न, चिट्ठी डालना, चमत्कार, श्रव्य भाषण और भविष्यवाणी की घोषणा, शास्त्र और पवित्र आत्मा की गवाही शामिल हैं।

इसके अलावा, नए नियम का रहस्योद्घाटन मसीह के व्यक्तित्व और कार्य पर केंद्रित है। मुझे लगता है कि हमारे लिए इन सभी प्रकार के रहस्योद्घाटन का एक उदाहरण देखना महत्वपूर्ण है। थियोफेनीज़।

दमिश्क के रास्ते पर पौलुस के साथ यही होता है। वह महिमावान मसीह का ईश्वरीय दर्शन देखता है, लेकिन शाऊल, प्रेरितों के काम 9:1, अभी भी प्रभु के शिष्यों के खिलाफ़ धमकियाँ और हत्या की साँसें ले रहा था, महायाजक के पास गया और उससे दमिश्क के आराधनालयों के लिए पत्र माँगा ताकि अगर उसे कोई ऐसा मिले जो इस मार्ग से जुड़ा हो, चाहे वह पुरुष हो या महिला, तो वह उसे बाँधकर यरूशलेम ले आए। अब, जब वह अपने रास्ते पर चल रहा था, वह दमिश्क के पास पहुँचा, और अचानक, स्वर्ग से एक रोशनी उसके चारों ओर चमक उठी, और ज़मीन पर गिरते हुए, उसने एक आवाज़ सुनी जो उससे कह रही थी, शाऊल, शाऊल, तुम मुझे क्यों सताते हो? ये चौंकाने वाले शब्द हैं।

वह जानता है कि यह ईश्वर है, लेकिन वह इससे ज़्यादा कुछ नहीं पहचानता। उसने कहा, हे प्रभु, आप कौन हैं? और उसने कहा, मैं यीशु हूँ, जिसे आप सता रहे हैं। इससे ज़्यादा क्रांतिकारी शब्द कभी नहीं बोले गए।

लेकिन उठो और शहर में प्रवेश करो, और तुम्हें बताया जाएगा कि तुम्हें क्या करना है। यह एक ईश्वरीय दर्शन है, एक नया नियम ईश्वरीय दर्शन। ईश्वर खुद को नए नियम में प्रकट करता है, पुराने नियम की तरह, पुराने में, दर्शन में।

प्रेरितों के काम 10, 9 से 16, एक दर्शन है जो पतरस ने देखा था। इस तरह परमेश्वर ने पतरस को कुरनेलियुस के घर जाकर अन्यजातियों के साथ सुसमाचार बाँटने के लिए प्रेरित किया। अगले दिन, जब वे अपनी यात्रा पर थे और शहर के पास पहुँच रहे थे, तो पतरस लगभग छठे घंटे प्रार्थना करने के लिए घर की छत पर गया।

और उसे भूख लगी और कुछ खाना चाहा। लेकिन जब वे खाना बना रहे थे, तो वह बेसुध हो गया और उसने देखा कि आसमान खुल गया और एक बड़ी चादर जैसी चीज़ अपने चारों कोनों से ज़मीन पर उतर रही है। उसमें हर तरह के जानवर और रेंगनेवाले जन्तु और हवा के पक्षी थे, और एक आवाज़ आई, “हे प्रभु, मैंने कभी कोई अपवित्र या अशुद्ध चीज़ नहीं खाई।”

फिर दूसरी बार आवाज़ आई, “जो चीज़ परमेश्वर ने शुद्ध ठहराई है, उसे अशुद्ध मत कहो।” ऐसा ही तीन बार हुआ, और वह चीज़ तुरन्त स्वर्ग पर उठा ली गई।

बेशक, यह एक समाधि या दर्शन है जिसे पतरस ने देखा था और प्रभु ने उसे यह दिखाने के लिए इस्तेमाल किया था कि उसे कुरनेलियुस के घर सुसमाचार ले जाने में संकोच नहीं करना चाहिए ताकि वह और उसके दोस्त प्रभु यीशु के बारे में जान सकें - चिट्ठी डालना। हम पहले ही इसका उल्लेख कर चुके हैं।

हम इसे प्रेरितों के काम 1:23 और उसके बाद के अध्यायों में देखते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें यहूदा की जगह लेनी चाहिए। पुराने नियम में कहा गया है कि किसी और को उसका पद लेना चाहिए।

इसलिए, 20, पद 21, उन लोगों में से एक जो हमारे साथ उस समय रहे जब प्रभु यीशु हमारे बीच में आते-जाते थे, यहूदा के बपतिस्मा से लेकर उस दिन तक जब यीशु को हमारे बीच से उठा लिया गया। इनमें से एक को हमारे साथ उसके पुनरुत्थान का गवाह बनना चाहिए। उन्होंने यूसुफ बरसब्बास को आगे बढ़ाया, जिसे न्याय और मत्तियाह भी कहा जाता था।

और उन्होंने प्रार्थना की और कहा, हे प्रभु, तू तो सब के मन को जानता है, इन दोनों में से तूने किसको इस सेवकाई और प्रेरिताई में स्थान लेने के लिए चुना है, जिसे छोड़कर यहूदा अपने स्थान पर चला गया। और उन्होंने उनके लिए चिट्ठियाँ डालीं, और चिट्ठी मत्तियाह के नाम पर निकली, और वह 11 प्रेरितों में गिना गया। यह एक ऐसा तरीका था जिसका उपयोग उन्होंने प्रभु की इच्छा निर्धारित करने के लिए किया था।

ऐसा नहीं है कि हमें उस साधन का पालन करने की आज्ञा नहीं दी गई है, और यह आदर्श नहीं है, जैसा कि प्रेरितों के काम की पुस्तक में कुछ अन्य प्रकरण और चीजें घटित होती हैं। वे वास्तव में घटित हुए और परमेश्वर ने उनका उपयोग किया और काम किया, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वहाँ की हर चीज हमारे लिए आदर्श है। सपने।

यूसुफ़ बहुत उलझन में था। मरियम गर्भवती है, उसकी मंगेतर। वह मरियम को जानता है, या कम से कम उसे लगता था कि वह जानता है।

दुनिया में कैसे? उसने उसे गर्भवती नहीं किया। आह, मत्ती 1:19 अब 18. अब यीशु मसीह का जन्म इस तरह हुआ।

जब उनकी माता मरियम की मंगनी यूसुफ से हो चुकी थी, तब उनके एक साथ रहने से पहले ही पता चला कि वह पवित्र आत्मा से गर्भवती है, और उसके पति यूसुफ ने जो धर्मी था और उसे लज्जित नहीं करना चाहता था, उसे चुपचाप तलाक देने का निश्चय किया। लेकिन जब वह इन बातों पर विचार कर रहा था, तो एक स्वर्गदूत ने स्वप्न में कहा, हे यूसुफ, दाऊद की सन्तान, मरियम को अपनी पत्नी बनाने से मत डर, क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह पवित्र आत्मा से है। वह उसका पुत्र ठहरेगी, और तू उसका नाम यीशु रखना, क्योंकि वह अपने लोगों को उनके पापों से बचाएगा।

चमत्कार। यहूदा 9:1 से 7. जब यीशु वहाँ से गुज़र रहा था, तो उसने एक जन्म से अंधे व्यक्ति को देखा, और उसके चेलों ने उससे पूछा, "हे रब्बी, किसने पाप किया? इस व्यक्ति ने या उसके माता-पिता ने? वह जन्म से अंधा था।" यीशु ने उत्तर दिया कि ऐसा नहीं है कि इस व्यक्ति ने या उसके माता-पिता ने पाप किया, बल्कि इसलिए कि परमेश्वर के कार्य उसमें प्रगट हों।

हमें उस आदमी के कामों पर काम करना चाहिए जिसने इसे मेरे पास भेजा है, जबकि अभी दिन है। रात आ रही है जब कोई काम नहीं कर सकता। जब तक मैं दुनिया में हूँ, मैं दुनिया की रोशनी हूँ।

यह कहकर उसने भूमि पर थूका और उस थूक से मिट्टी सानी, और उस मिट्टी को उस मनुष्य की आंखों में लगाकर उस से कहा, जा, शीलोह के कुण्ड में धो ले, जिसका अर्थ भेजा हुआ है। तब वह गया, और नहाकर देखने लगा।

पड़ोसी और वे लोग जिन्होंने उसे पहले भीख मांगते देखा था, पूछ रहे थे कि क्या यह वही आदमी नहीं है जो बैठकर भीख मांगता था। कुछ ने कहा कि यह वही है। दूसरों ने कहा नहीं, लेकिन वह उसके जैसा ही है। वह कहता रहा, मैं ही वह आदमी हूँ।

मुझे यह बात बहुत मज़ेदार लगी। यहाँ एक चमत्कार है जो यीशु की पहचान को उजागर करता है। यूहन्ना अध्याय 20 में, यीशु कहते हैं, यूहन्ना कहता है कि यीशु ने अपने शिष्यों की उपस्थिति में कई अन्य चिन्ह दिखाए, जो इस पुस्तक में नहीं लिखे गए हैं।

परन्तु ये इसलिये लिखे गए हैं कि तुम विश्वास करो कि यीशु ही परमेश्वर का पुत्र मसीह है, और विश्वास करके उसके नाम से अनन्त जीवन पाओ। यूहन्ना 20:30 और 31. श्रव्य भाषण।

हमें जॉन के अध्याय 12 में इसका एक दिलचस्प संदर्भ मिलता है। इस चौथे सुसमाचार में जॉन के पाप के सिद्धांत को मुख्य रूप से यीशु के जबरदस्त शब्दों और कार्यों के प्रकाश में अविश्वास के रूप में दर्शाया गया है। हे भगवान, अध्याय सात में, मंदिर पुलिस को यीशु को गिरफ्तार करने के लिए भेजा जाता है।

वे खाली हाथ वापस आते हैं और यहूदी नेता नाराज़ हो जाते हैं। आपकी समस्या क्या है? आप उन्हें क्यों नहीं बुलाते? उन्होंने कहा, कभी किसी आदमी ने इस आदमी की तरह बात नहीं की। क्या आप खुद भीड़ का हिस्सा हैं? अरे, मेरी बात, आपकी समस्या क्या है? वे बस, वे उसके बहुत खिलाफ हैं।

और इसी तरह, उसके चमत्कार भी बहुत प्रभावशाली हैं। अध्याय 11 में, यीशु ने मृतकों के लिए लाज़र को जीवित किया। अध्याय 12 में, यहूदी अधिकारियों ने लाज़र के लिए मृत्यु वारंट जारी किया क्योंकि वे इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते थे।

वह इस तथ्य के लिए एक चलता-फिरता, जीवित क्षमाप्रार्थी है कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है जो मरे हुआ को जीवित करता है, हांफता है, अस्वीकार्य है। हम ऐसा नहीं कर सकते। हम श्रव्य भाषण देखते हैं और यह अध्याय 12:27 से 29 तक एक तरह का विनोदी संदर्भ है।

यीशु ने कहा, अब मेरी आत्मा संकट में है। और मैं क्या कहूँ? क्या मैं कहूँ, हे पिता, मुझे इस घड़ी से बचा? लेकिन इसी उद्देश्य से मैं इस घड़ी तक पहुँचा हूँ। हे पिता, अपने नाम की महिमा कर।

फिर स्वर्ग से एक आवाज़ आई और कहा, मैंने इसे महिमा दी है, और मैं इसे फिर से महिमा दूँगा। मेरा मतलब है, भगवान स्वर्ग से बोलते हैं। निश्चित रूप से, लोग इस पर विश्वास करेंगे, है न? नहीं।

वहाँ खड़ी भीड़ ने यह आवाज़ सुनी और कहा कि बादल गरजा है। दूसरों ने कहा कि एक स्वर्गदूत ने उससे बात की है। यीशु ने उत्तर दिया कि यह आवाज़ तुम्हारे लिए आई है, मेरी नहीं।

अब इस दुनिया पर न्याय का समय है। अब इस दुनिया का शासक बाहर निकाल दिया गया है। और जब मैं धरती से ऊपर उठा लिया जाऊँगा, तो सभी लोगों को अपने पास खींच लूँगा।

यह यूहन्ना की पुस्तक, यूहन्ना के सुसमाचार में यीशु के प्रायश्चित के चित्रों का सबसे सघन भाग है। लेकिन जब परमेश्वर स्वर्ग से बोलता है, तो वे इसे समझ नहीं पाते। उन्हें लगता है कि कोई स्वर्गदूत बोला है या शायद यह गड़गड़ाहट थी।

वे अपने पापों में विकृत और मरे हुए हैं, उन्हें पुनर्जीवित करने के लिए पवित्र आत्मा की आवश्यकता है। ओह, हम प्रेरितों के काम अध्याय दो में पीटर के अद्भुत पिनतेकुस्त उपदेश, प्रेरितों के काम 2:14 से 26 के साथ भविष्यवाणी की घोषणा पाते हैं। मैं बस इसका थोड़ा सा हिस्सा करूँगा।

यह बहुत ही आश्चर्यजनक है। परन्तु पतरस ने 11 लोगों के साथ खड़े होकर ऊँची आवाज़ में उनसे कहा, हे यहूदिया के लोगों और यरूशलेम के सभी रहने वालों। यह बात तुम जान लो और मेरी बातें सुनो।

क्योंकि ये लोग नशे में नहीं हैं। जैसा कि आप सोच रहे हैं, उन्होंने पवित्र आत्मा द्वारा सक्षम किए गए अन्य भाषाओं में बात की थी और रोमन साम्राज्य के पार से तीर्थयात्रियों ने भी। उन्होंने सभी ने अपनी भाषा में परमेश्वर के अद्भुत कार्यों को सुना।

जैसा कि आप सोच रहे हैं, ये लोग नशे में नहीं हैं, क्योंकि अभी दिन का तीसरा पहर ही है। लेकिन यह वही है जो भविष्यवक्ता योएल के माध्यम से कहा गया था। और उसने परमेश्वर द्वारा सभी प्राणियों पर अपनी आत्मा उंडेलने की धारणा को उद्धृत किया है, इत्यादि।

और फिर पतरस यीशु मसीह की मृत्यु और विशेष रूप से पुनरुत्थान को स्वीकार करता है। भविष्यवाणी की घोषणा में शास्त्र और पवित्र आत्मा की गवाही शामिल है। हम जॉन के सुसमाचार के विदाई प्रवचनों में इसके बारे में दिलचस्प संदर्भ पाते हैं, जहाँ ऐसा लगता है कि यीशु नए नियम के दिए जाने की भविष्यवाणी कर रहे हैं।

यूहन्ना 14:25 और 26. यीशु ने अपने चेलों से कहा, ये बातें मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए तुमसे कही हैं, परन्तु सहायक अर्थात् पवित्र आत्मा जिसे पिता मेरे नाम से भेजेगा, वह तुम्हें सब बातें सिखाएगा और जो कुछ मैंने तुमसे कहा है, वह सब तुम्हें स्मरण कराएगा। 15 के अन्त में, 26 में हम पढ़ते हैं, परन्तु जब सहायक आएगा, जिसे मैं पिता की ओर से तुम्हारे पास भेजूँगा, अर्थात् सत्य का आत्मा जो पिता की ओर से निकलता है, तो वह मेरे विषय में गवाही देगा।

और तुम भी गवाही दोगे, क्योंकि तुम आरम्भ से मेरे साथ रहे हो। और फिर 16, हम यह भी पाते हैं। मुझे तुम से और भी बहुत सी बातें कहनी हैं, परन्तु अभी तुम उन्हें सह नहीं सकते।

यूहन्ना 16:13, जब सत्य का आत्मा आएगा, तो तुम्हें सब सत्य का मार्ग बताएगा, क्योंकि तुम अपनी ओर से न बोलोगे, परन्तु जो कुछ सुनेगा, वही कहेगा। और आनेवाली बातें तुम्हें बताएगा। वह मेरी महिमा करेगा, क्योंकि वह मेरी बातें लेकर तुम्हें बताएगा।

पिता का सब कुछ मेरा है। इसलिए, मैंने कहा कि वह जो मेरा है उसे लेकर तुम्हें बताएगा। इसके अलावा, नए नियम का प्रकाशन मसीह के व्यक्तित्व और कार्य पर केंद्रित है।

हमारे अगले व्याख्यान में, शास्त्रों पर जाने से पहले, हम नए नियम में प्रभु यीशु मसीह के अवतार में परमेश्वर के विशेष रहस्योद्घाटन पर चर्चा करेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा रहस्योद्घाटन और पवित्र शास्त्र पर उनके शिक्षण में है। यह सत्र 10 है, पुराने नियम का विशेष रहस्योद्घाटन, नए नियम के विशेष रहस्योद्घाटन की किस्में।